बुन्देली गद्य साहित्य

बुन्देली कहानियाँ

डॉ० राम नारायण शर्मा
एम.एस.

बुन्देली कहानियां

(बुन्देली भाषा में बालकों, प्रोढ़ों की कहानियां कथाएं तथा अमर गाथाएं)

डॉ. राम नारायण शर्मा
एम.एस.

बुन्देली गद्य साहित्य

बुन्देली कहानियां

डॉ. रामनारायण शर्मा

एम.एस.

पता - ६६५/३ सिविल लाइन्स, रानी लक्ष्मीबाई पार्क के सामने,
झाँसी उ.प्र.

दूरभाष - ४४२०२६

प्रकाशन वर्ष - आश्विन कृष्ण अष्टमी 'मांलच्छमी' सं.२०५७ तथा सन् २०००

प्रकाशक - डॉ. श्रीमती सुशीला शर्मा
एम.बी.बी.एस.
६६५/३ सिविल लाइन्स, झाँसी
फोन : ४४२०२६

सर्वाधिकार - प्रकाशक के अधीन सुरक्षित

मुद्रक - वीर बुन्देलखण्ड प्रेस
गुसांईपुरा, झाँसी फोन - ४४०६३१

मूल्य - १०५) रु.

Bundeli Kahaniyan
By : Dr. Ram Narain Sharma
M.S.

अनुक्रम

(अ) बाल कहानी प्रसंग		पृष्ठ सं.
(१)	चिरआ-चिरैया	१
(२)	चतुर लिड़ैया	२
(३)	सेक-चिल्ली	३
(४)	मातिन की कथरी	६
(५)	किसान और कुत्ता	७
(६)	वंडा - शेर	८
(७)	चालाक बंदरा	९
(८)	कुरकुट - विरमदानों	१०
(९)	पत्ता और डीमा	११
(१०)	चार तोतले	११
(११)	लाड़लौ बेटा	१२
(१२)	डुकरिया - चुखरिया	१३
(१३)	मूरख बंदरा	१४
(१४)	पीपरा कौ प्रेत	१५
(१५)	किसान और नेवला	१५
(१६)	लकड़हारा	१६
(१७)	रंगो सियार	१६
(१८)	लुखरौ की चतुराई	१७
(१९)	मूरख मगरा	२०
(२०)	ऊँट और बकरी	२०
(२१)	अंधा कुआ	२१
(२२)	बावड़ी की मेंढकी	२२
(२३)	बेवस कुतिया	२३
(२४)	राजा बोकरकाना	२३
(२५)	बूढ़े बाप कौ हंडा	२४
(२६)	फौरा कौ किस्सा	२५
(२७)	लिड़ैया की पंचाट	२५
(२८)	रोटी कौ दान	२६
(२९)	मुसीवत	२६
(३०)	ऊद बिलाव	२७

(३१) कौआ २८
(३२) मेंदरे की भूल २९
(३३) अनहोनी ३०
(३४) दीक्षा ३१
(३५) जैसे को तैसौ ३२

(ब) प्रौढ़ कहानी प्रसंग

(३६) बाढ़ई कौ पलका ३३
(३७) दलिद्दुर ३४
(३८) मरघटिया बाबा ३६
(३९) करामाती तोता ३७
(४०) मणि की खोज ३९
(४१) साधू की कुटिया ४०
(४२) कुम्हार कौ लरका ४०
(४३) गौधन ४२
(४४) राजा नल कौ दम्भ ४२
(४५) भाट-भाटिन ४४
(४६) राजा कौ न्याव ४७
(४७) सिर्रन ४७
(४८) सांची लगन ४८
(४९) कंजूस डुकरिया ४९
(५०) राजा भोज कौ न्याव ५०
(५१) सोने कौ धंटा ५१
(५२) बब्बा कौ कुनवां ५२
(५३) भागवान बेटी ५२
(५४) सोन चिरैया ५४
(५५) रामजादे-हरामजादे ५६
(५६) ननद भौजाई ५८
(५७) काग बिड़ारन ५९
(५८) किसान कौ पोतला ६०
(५९) लाल बुझक्कड़ ६१
(६०) बाबा बांदर ६३
(६१) संगत ६४
(६२) मसखरा ६४
(६३) पंडित और जिन्न ६५

(६४) टपका ६६
(६५) लालची साहूकार ६७
(६६) रानी कौ कठारा ६८
(६७) कन्यादान ७१
(६८) फसिया ७१
(६९) पंचफूला ७५
(७०) चार चुड़ैलें ७६
(७१) गनिका ८०
(७२) डंडा ८१
(७३) दिलबर चोर ८२
(७४) चार दोस्त ८४
(७५) गिल्लो रानी ८७
(७६) सूखौ तला ९०
(७७) जुआ कौ दाँव ९०
(७८) फूटौ बांध ९१
(७९) पांउनों ९१
(८०) गढ़कुलिया ९२
(८१) भोंदू बसंत ९३
(८२) नासुकरी ९५
(८३) वामन डुकरिया ९७

(स) कथा प्रसंग

(८४) भाई बिन्ना ९९
(८५) बहेलिया १००
(८६) बरेदी कौ लट्ठ १०१
(८७) सावित्री १०१
(८८) भरौसो १०२
(८९) खीर और महेरी १०३
(९०) सेवा कौ फल १०४
(९१) भूल सुधार १०५
(९२) जोगे - भोगे १०५
(९३) गुनवती १०६
(९४) बामिनी की कुठलिया १०६
(९५) प्रभावती १०७

(९६)	भलाई कौ मोल	१०८
(९७)	माते की बउ	१०९
(९८)	कनवां - रनवां	१०९
(९९)	मठियारी	११०
(१००)	बैल और कुतिया	११०
(१०१)	कोदारथी भाट	१११
(१०२)	चार बुढ़ियां	११३
(१०३)	पूजा कौ फल	११४
(१०४)	कुम्हार बउ कौ लरका	११५
(१०५)	मांलच्छमी	११५
(१०६)	मनयारे सांप की बेटी	११६
(१०७)	पछतावा	११७
(१०८)	बरेदी	११८
(१०९)	घरवारी	१२१
(११०)	सत्तवान बउ	१२२
(१११)	राजभान-चन्द्रभान	१२२
(११२)	दानीराजा	१२४
(११३)	भौजाई	१२६
(११४)	रानी गिलंदी	१२६
(११५)	तिरिया चरित	१२८
(११६)	पटमजना	१२९
(११७)	सुरनमई (स्वर्णमयी)	१३१
(११८)	ग्वालन	१३१
(११९)	देवरानी - जेठानी	१३१
(१२०)	गरीब लरका	१३२
(१२१)	पंडित - पंडिताइन	१३३
(१२२)	बृहस्पति की कथा	१३३
(१२३)	शुक्रवार की कथा	१३४
(१२४)	किसान	१३६
(१२५)	राजा - रानी	१३७
(१२६)	सेठ-सेठानी	१३८
(१२७)	बहिन भाई कौ प्यार	१४०
(१२८)	तुलसी घरुआ	१४०
(१२९)	केतकी रानी	१४१

(१३०)	चुगलखोर	१४३
(१३१)	सोने की बिलैया	१४४
(१३२)	पंचपरमेसुर	१४५
(१३३)	सौगन्ध	१४७
(१३४)	भगवान की. खोज	१४७
(१३५)	नाग और नागिन	१४९
(१३६)	राम और श्याम	१५०
(१३७)	किसान और साहूकार	१५२
(१३८)	संजोग	१५३
(१३९)	उद्धार	१५४
(१४०)	साधू	१५५

(द) गाथा प्रसंग

(१४१)	संत-वसंत	१५७
(१४२)	राजा नल की विपदा	१५८
(१४३)	रानी चन्द्रावल (ढोला - मारू)	१५९
(१४४)	धीरा-विजैया	१६२
(१४५)	सारंगा - भारंगा	१६३
(१४६)	सुरहिन	१६४
(१४७)	कारसदेव	१६६
(१४८)	हरदौल	१६८
(१४९)	आल्हा	१७२
(१५०)	मथुरावली	१७४
(१५१)	सारंधा	१७६
(१५२)	अमान सिंह	१७७

(य) शब्द सन्दर्भ १८० से १९४ तक

लेखक - डॉ. रामनारायण शर्मा

जन्म - १५ मार्च १६३५ झाँसी उ.प्र.

शिक्षा - मेडिकल कॉलेज लखनऊ से एम.बी.बी.एस. तथा एम.एस. (सर्जरी)

पूर्व वरिष्ठ सर्जन पी.एम.एच.एस. उ.प्र.

साहित्यिक वातावरण विरासत में मिला।

विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में सम-सामयिक लेखन

स्मारिका पत्रिकाओं का सम्पादन

देश-विदेश के ख्याति प्राप्त जर्नल्स में चिकित्सा संबंधी मौलिक शोधपत्रों का प्रकाशन

बुन्देलखण्ड हिन्दी संस्थान झाँसी के पूर्व अध्यक्ष

पूर्व सचिव पी.एम.एस. झाँसी

साहित्यिक जीवन काव्य लेखन से शुरू बाद में कथा लेखन व उपन्यास रचना में सक्रिय।

साहित्य सृजन - (१) चतुः रंगिनी (बुन्देलखण्ड लोक साहित्य का काव्य संग्रह)

(२) सच टुकड़ा - टुकड़ा (कहानी संग्रह)

(३) जीवन-प्रहरी (उपन्यास)

तथा बरगद की शाखाएं उपन्यास, बुन्देली कांनियां, भूले बिसरे लोग आदि प्रकाशनाधीन।